

Roll No

879

B.A. (Final Year)
Examination 2010

EHD-04

(Elective Course/ ऐच्छिक पाठ्यक्रम)

Madhyakaleen Bharatiya Sahitya: Samaj Aur Sanskriti

मध्यकालीन भारतीय साहित्य : समाज और संस्कृति

Time: 3 Hours

समय: 3 घण्टे

Maximum Marks : 70

पूर्णांक: 70

नोट:- प्रश्न पत्र तीन खण्डों में विभक्त है। प्रत्येक खण्ड से संबंधित अंकों का विवरण उस खण्ड में दिए गये प्रश्नों के सम्मुख दिया गया है।

खण्ड—क

1. निम्नांकित अवतरणों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

4x10=40

- (क) भक्ति संबंधी दार्शनिक मत अद्वैतवाद का परिचय दीजिए।
- (ख) कन्नड़ सन्त रमणी अक्क महादेवी के जीवन व कृतित्व का परिचय दीजिए।
- (ग) मलयालम भक्ति साहित्य का संक्षिप्त परिचय दीजिये।
- (घ) मराठी भक्त कवि नामदेव के काव्य में अभिव्यक्त समाज की विशेषतायें बताइये।
- (ङ) कबीर के काव्य में अभिव्यक्त सामाजिक पक्ष की समीक्षा कीजिए।
- (च) तुलसीदास की भक्ति भावना की विशेषतायें बताइये।
- (छ) हिन्दी कृष्णभक्ति साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियों का उल्लेख कीजिए।

खण्ड—ख

2. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

3x5=15

- (क) आल्वार भक्त कवि पेरियाल्वार के जीवन व साहित्य का परिचय दीजिए।
- (ख) गुजराती भक्त कवि नरसी मेहता के काव्य के सामाजिक पक्ष का उल्लेख कीजिए।
- (ग) कश्मीरी भक्त कवि परमानन्द (नन्दराम) के कृतित्व पर प्रकाश डालिए।

(घ) निर्गुण गुरु वाणी काव्य परम्परा के प्रवर्तक गुरुनानक का परिचय दीजिए।

(ङ) रामभक्ति साहित्य की कुछ प्रमुख विशेषतायें बताइये।

(च) कृष्णोपासक कवयित्री मीरा का जीवन परिचय दीजिए।

खण्ड-ग

3. सत्य कथनों के आगे (✓) और गलत कथनों के आगे (x) का निशान लगाइए।

5x1=5

(क) मसनवी शैली के आरम्भ में ईश्वर की वन्दना, पैगम्बर की स्तुति और शाहे वक्त (तत्कालीन राजा) की प्रशंसा की जाती है।

(ख) रसखान ने मुख्यतः राम-सीता की प्रीति का ही वर्णन किया है।

(ग) तमिल भाषा द्रविड़ भाषा परिवार की सबसे प्राचीन और प्रमुख भाषा है।

(घ) बलरामदास की असमियों में लिखी 'दाण्डी रामायण' ओड़िया भाषी जनसाधारण में काफी लोकप्रिय है।

(ङ) बधिक अजामिल एक दासी का ब्राहमण पति था जो बहुत बड़ा पापी था।

4. स्तम्भ 'क' में दिये गये कवियों का मिलान स्तम्भ 'ख' में दी गई उनकी रचनाओं से कीजिए।

5x1=5

स्तम्भ 'क'	स्तम्भ 'ख'
(क) केशवदास	(क) मृगावती
(ख) पालकुरिकि सोमनाथ	(ख) रंगनाथ रामायण
(ग) कुतुबन	(ग) कादम्बरी
(घ) गोनबुद्धा रेड्डी	(घ) पंडिताराध्य चरित्र
(ङ) बाणभट्ट	(ङ) रामचन्द्रिका

4. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

5x1=5

(क) प्रमुख पुराण ग्रन्थों की संख्या है।

(ख) नामदेव सगुण में भेद नहीं मानते थे।

(ग) मध्ययुगीन संत साधकों में रैदास का विशेष स्थान है।

(घ) तुलसीदास की मृत्यु सन् ई0 को हुयी।

(ङ) रासपंचाध्यायी के रचनाकार का नाम है।